vinetur

वाइन की मांग घटने के कारण फ्रांस ने दो वर्षों में 55,000 हेक्टेयर अंगूर की बेलें हटाईं

2025 की खराब फसल के बाद 2026 में फ्रांस का वाइन उत्पादन 3% बढ़ा, लेकिन यह रिकॉर्ड में दूसरा सबसे कमजोर विंटेज रहा

मंगलवार, 17 नवंबर 2026



फ्रांस के वाइन उद्योग में 2026 में मामूली सुधार दर्ज हुआ, लेकिन इससे उत्पादन और अंगूर के बागों के रकबे में जारी गहरी गिरावट पर खास असर नहीं पड़ा। पीने की बदलती आदतें देश के प्रमुख कृषि क्षेत्रों में से एक का स्वरूप बदल रही हैं।

RTL ने सोमवार, 16 नवंबर को बताया कि फसल कटाई पूरी होने के बाद फ्रांस के अंगूर के बागों से 2026 में 2025 के मुकाबले 3% अधिक वाइन का उत्पादन हुआ। इस बढ़ोतरी के बावजूद, 2026 का विंटेज मात्रा के लिहाज से ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर रहा और प्रसारक के विश्लेषण के अनुसार, 2025 के बाद रिकॉर्ड में दूसरा सबसे खराब वर्ष था।

ये आंकड़े फ्रांस के वाइन क्षेत्र में बढ़ते असंतुलन की ओर इशारा करते हैं। अंगूर की बेलों ने बार-बार पड़ने वाली लू को कई अन्य फसलों की तुलना में बेहतर ढंग से सहने की क्षमता दिखाई है, फिर भी वाइन की मांग घटने के कारण उत्पादक बड़े पैमाने पर अंगूर के बाग उखाड़ रहे हैं।

RTL के मुताबिक, 2025 और 2026 के दौरान फ्रांस में 55,000 हेक्टेयर में लगी अंगूर की बेलें हटाई गईं। यह केवल दो

वर्षों में देश के कुल अंगूर-बाग क्षेत्र के 7% से अधिक के बराबर है। बड़े पैमाने पर वाइन उत्पादन से लंबे समय से जुड़े इस देश के लिए यह एक बड़ा संरचनात्मक बदलाव है।

इस गिरावट की वजह केवल मौसम नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादकों के सामने बड़ी समस्या वाइन की खपत में कमी है, जिससे उत्पादन की जरूरत घट गई है, जबकि अंगूर के बाग ज्यादा गर्म परिस्थितियों में अपेक्षाकृत लचीले साबित हो रहे हैं। इस स्थिति ने क्षेत्र के लिए RTL के बताए एक विरोधाभास को जन्म दिया है : जलवायु परिवर्तन के अनुकूल दिखने वाली फसल को इसलिए कम किया जा रहा है, क्योंकि उपभोक्ता इसे कम खरीद और पी रहे हैं।

शुरुआत में 2026 की फसल को लेकर चिंता थी, क्योंकि बढ़वार के मौसम में फ्रांस को बार-बार लू का सामना करना पड़ा। अंततः नतीजा कई उत्पादकों की अपेक्षा से बेहतर रहा। अन्य फसलों के प्रदर्शन की तुलना में अंगूर की यह सापेक्ष मजबूती खास तौर पर उभरकर आई। RTL के मुताबिक, पशु चारे के लिए इस्तेमाल होने वाले मक्के और डिब्बाबंद तथा जमे हुए उत्पादों के लिए उगाई जाने वाली सब्जियों की पैदावार में 20% से 40% तक गिरावट आई।

इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण देश का सबसे बड़ा वाइन उत्पादक क्षेत्र Languedoc-Roussillon है। RTL के अनुसार, गर्मियों में भीषण गर्मी के बावजूद इस क्षेत्र में 2026 में 2025 के मुकाबले 25% अधिक वाइन का उत्पादन हुआ। Corbières क्षेत्र के Lézignan स्थित मौसम केंद्र के उद्धृत आंकड़ों से पता चला कि जून से अगस्त तक—जब अंगूरों का आकार बढ़ रहा होता है—दैनिक अधिकतम तापमान का औसत 33 डिग्री सेल्सियस, यानी लगभग 91 डिग्री फ़ारेनहाइट से ऊपर रहा। यह मौसमी सामान्य स्तर से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

इस मजबूती की वजह पौधे में ही निहित है। अंगूर की बेलों की जड़ें 3 से 5 मीटर तक गहरी जा सकती हैं, जिससे वे मिट्टी की गहरी परतों से पानी ले पाती हैं, खासकर सर्दियों और वसंत की बारिश के बाद। मक्का, हरी फलियों और तोरी जैसी एक-वर्षीय फसलों की जड़ें इतनी गहरी नहीं होतीं, इसलिए सतह की नमी खत्म होने पर उनकी पैदावार में तेज गिरावट का जोखिम अधिक होता है।

इसका मतलब है कि कृषि-विज्ञान के नजरिए से गर्म होती जलवायु में अंगूर की बेलें कई अन्य फसलों की तुलना में बेहतर स्थिति में हो सकती हैं। RTL ने बताया कि तापमान बढ़ने के साथ अंगूर के बागों का धीरे-धीरे और उत्तर की ओर विस्तार होने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। लेकिन वाइन का अर्थशास्त्र इसके उलट दिशा में बढ़ रहा है। घरेलू खपत में गिरावट ने उत्पादकों पर दबाव डाला है और उद्योग को विस्तार की तैयारी करने के बजाय खेती का रकबा घटाने पर मजबूर किया है।

इसका असर अंगूर उत्पादकों से आगे तक पड़ता है। इतने बड़े पैमाने पर अंगूर के बागों में कमी से धीरे-धीरे वाइन की आपूर्ति, खरीद की रणनीतियों और व्यापक पेय कारोबार में प्रतिस्पर्धी स्थिति प्रभावित हो सकती है—बोतलबंद करने वाली कंपनियों और वितरकों से लेकर फ्रांस के उत्पादन में बदलाव पर नजर रखने वाले आयातकों तक। अगर यह संकुचन जारी रहा, तो इससे खरीदार फ्रांसीसी वाइन और अन्य उत्पादक देशों की आपूर्ति के बीच संतुलन बनाने का तरीका बदल सकते हैं, भले ही इसकी मुख्य वजह केवल मौसम न हो।

फ्रांसीसी बाजार कई वर्षों से वाइन की खपत में दीर्घकालिक गिरावट का सामना कर रहा है, जो पीने की आदतों में व्यापक बदलाव का हिस्सा है। RTL की रिपोर्ट ने खपत में इस गिरावट का परिमाण नहीं बताया, लेकिन हाल में बेलें उखाड़ने के अभियान के पीछे इसे मुख्य वजह बताया। व्यावहारिक तौर पर इसका मतलब है कि उद्योग जलवायु के दबाव के साथ-साथ घटते ग्राहक आधार के अनुरूप भी खुद को ढाल रहा है।

उत्पादकों को 2026 के आंकड़ों से सीमित राहत मिलती है। 2025 की खराब फसल के मुकाबले 3% की बढ़ोतरी दिखाती है कि गर्मियों के ऊंचे तापमान के बावजूद यह क्षेत्र ढहा नहीं। लेकिन तुलना का आधार असाधारण रूप से कमजोर वर्ष होने के कारण, यह सुधार उत्पादन के पुराने स्तर पर लौटने का संकेत नहीं देता। इसके बजाय, यह बताता है कि आधार स्तर कितना नीचे आ चुका है।

जैविक मजबूती और बाजार की कमजोरी के बीच का यह विरोधाभास फ्रांस में वाइन को लेकर जारी बहस के केंद्र में रहने की संभावना है। गर्म और शुष्क गर्मियों में अंगूर की बेलें आसपास की कई फसलों की तुलना में बेहतर स्थिति में बनी रह सकती हैं, लेकिन यह मजबूती अपने आप घटती खपत और सिकुड़ते अंगूर-बाग क्षेत्र से पैदा हुए कारोबारी दबाव का समाधान नहीं करती।